|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  | | --- | | Bog på vej fra Lindhardt og Ringhof | | |  | | --- | | [Se denne mail i din browser](https://mailchi.mp/lindhardtogringhof/frste-samlede-fremstilling-af-sergei-sviatchenkos-historie-og-kunst?e=%5bUNIQID%5d) | | | | |
| |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Første samlede fremstilling af  Sergei Sviatchenkos historie og kunst** | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  | | --- | | https://gallery.mailchimp.com/77ab2fec3bb51615af1a110c6/images/ff4eab94-9386-465a-a628-ec64e8236fde.jpg | | [Download forsiden her:](https://gallery.mailchimp.com/77ab2fec3bb51615af1a110c6/images/696d0b37-b4da-4260-9dd2-0374ce29f4a1.jpg) **Fakta om bogen**: **Titel**: Sergei Sviatchenko - Jeg er en collage **Forfatter**: Jørn Jacobsen **Omfang**: 348 sider **Pris**: 399 kr. **Udkommer**: 14. september 2018 | |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | | | **JØRN JACOBSEN** Cand. mag. Lektor i dansk og historie. Medforfatter til en række udgivelser herunder *Mytemotiver i dansk litteratur, Folkeviser* og *De moderne gennembrud 1870-1914*. Har siden 2013 samarbejdet med Sergei Sviatchenko bl.a.om flere kunstprojekter støttet af Statens Kunstfond.  [**Læs mere om Sergei Sviatchenko**](http://www.sviatchenko.dk/)  [**Læs mere om Close Up & Private**](http://closeupandprivate.com/site/) | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | *Jørn Jacobsen:*  **Sergei Sviatchenko Jeg er en collage** | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | Med kunstbiografien *Jeg er en collage* foreligger for første gang en samlet fremstilling af Sergei Sviatchenkos personlige og kunstneriske baggrund.  Han har sine rødder i Ukraine under den kolde krig, men har boet i Danmark siden 1990. Sergei Sviatchenko er en ener i dansk kunst. Han er præget af mellemkrigstidens modernisme. Han er barn af 1960’ernes beatkultur og særlige stil, som også var kendte af subkulturelle unge i Ukraine. Og han foldede hele sit slumrende talent ud, da Glasnost og Murens fald endelig bragte ham til det eftertragtede Vesten med alle de muligheder, det førte med sig.  Overalt i Sergei Sviatchenkos kunst møder man et paradoksalt sammenstød mellem det konstruktivistiske og det surrealistiske. Men Sergei Sviatchenkos kunst er mangesidigt. Igennem 40 år har han arbejdet med moderne collage. Især efter at have bosat sig i Danmark begyndte Sviatchenko at udfolde sine storladne malerier, der især har gjort ham kendt blandt et stort danske publikum.    Sviatchenkos publikum er betydeligt, og bl.a.  står en række monumentale værker hos erhvervsvirksomheder, banker, institutioner og i kommunale bygninger særligt markant som kunstneriske hovedværker.  Et af disse er *Belysning af horisontale og vetikale forbindelser* fra 2003, der hænger i Jyske Banks hovedafdeling i Silkeborg. Et andet bliver en 26 meter lang collage-frise *Tribute to Viborg*, der i 2018 hylder byens 1000 års historie.   Og han er ikke mindst anerkendt på tværs af alle generationer for sin originale karisma, sit åbne og kærlige væsen og sin upåklagelige og elegante fremtoning. | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Henvendelse** til Søren Anker Madsen sam@lrforlag.dk | | | | | |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Forsider, forfatterfotos og pressemeddelelser på vores PRESSESITE!** Pressemateriale, forsidefotos og forfatterfotos på [presse.lindhardtogringhof.dk](https://www.skyfish.com/p/lr/) Bestilling af eksemplar med henblik på anmeldelse sendes til e-mail: [presse@lindhardtogringhof.dk](mailto:presse@lindhardtogringhof.dk) | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | [https://cdn-images.mailchimp.com/icons/social-block-v2/color-facebook-48.png](https://www.facebook.com/LindhardtogRinghof) | [Facebook](https://www.facebook.com/LindhardtogRinghof) | | | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | [https://cdn-images.mailchimp.com/icons/social-block-v2/color-instagram-48.png](http://instagram.com/lindhardtogringhof) | [Instagram](http://instagram.com/lindhardtogringhof) | | | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | [https://cdn-images.mailchimp.com/icons/social-block-v2/color-youtube-48.png](http://www.youtube.com/user/LindhardtogRinghof1) | [YouTube](http://www.youtube.com/user/LindhardtogRinghof1) | | | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | [https://cdn-images.mailchimp.com/icons/social-block-v2/color-twitter-48.png](https://twitter.com/lrforlag) | [Twitter](https://twitter.com/lrforlag) | | | | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | | |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | [https://cdn-images.mailchimp.com/icons/social-block-v2/color-link-48.png](http://www.lindhardtogringhof.dk/) | [Hjemmeside](http://www.lindhardtogringhof.dk/) | | | | | | | |  |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | |  | |  |  |  |  | | --- | --- | --- | | |  |  | | --- | --- | | |  | | --- | | **Vores adresse:**  Lindhardt og Ringhof  Vognmagergade 11, 4. sal  København 1148  Denmark  [Add us to your address book](https://lindhardtogringhof.us4.list-manage.com/vcard?u=77ab2fec3bb51615af1a110c6&id=52b7d2ff82) |   Copyright © 2018 Lindhardt og Ringhof, All rights reserved. | | | |